वार्षिक परीक्षा 2017-2018

हिन्दी साहित्य

कक्षा : VIII

समय : 2 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

किन्हीं पाँच प्रसंगों के सभी प्रश्नों के उत्तर दें। [16x5=80]

1. "क्यों, सिर क्यों झुका लिया महाराज! मैं युद्ध चाहती हूँ, केवल युद्ध! आज आपके भीषण यज्ञ की पूर्णाहुति होगी।"

(क) वक्ता कौन है ? वह किससे और क्यों युद्ध चाहती थी ? समझा कर लिखें ।

(ख) कलिंग का युद्ध कितने समय से चल रहा था ? इस युद्ध का क्या परिणाम हुआ था ?

(ग) महाराज अशोक ने वक्ता के समक्ष सिर क्यों झुका लिया ? वर्णन करें।

(घ) अर्थ लिखें :- वीरांगना, नत, पूर्णाहुति, निरपराधी ।

2. "सत्साहसी के लिए केवल साहस प्रकट करना ही अभीष्ट नहीं।"

(क) साहस कितने प्रकार के होते हैं ? किस प्रकार का साहस नीच श्रेणी का साहस है ? उदाहरण सहित बताएँ ?

(ख) पाठ में वर्णित किन्ही पाँच सत्साहसियों का नाम बताएँ, तथा सत्साहसी व्यक्ति अपनी गुप्त शक्ति के बल पर किस तरह के कार्य के लिए प्रस्तुत हो जाता है ? वर्णन करें।

(ग) साहस की अंतिम श्रेणी कौन-सी है ? इसके लिए किन गुणों का होना आवश्यक है ? पाठ के आधार पर वर्णन करें ।

(घ) अर्थ लिखें :- अभीष्ट, अतुलनीय, क्रूरकर्मा, असीम।

3. "कन्याकुमारी मंदिर, विवेकानंद स्मारक और गाँधी मंडप के कण-कण से परिचय प्राप्त करने के बाद हमने प्राचीन किला, प्रकाश-स्तंभ और गिरजाघर भी देखे।"

(क) कन्याकुमारी देवी के बारे में आप क्या-क्या जानते हैं ? वर्णन करें ।

(ख) कन्याकुमारी की रेत रंग-बिरंगी क्यों है ? इसके पीछे कौन-सी लोक कथा प्रचलित है ?

(ग) स्वामी विवेकानंद कौन थे ? वे कब कन्या कुमारी पहुँचे थे ? विवेकानंद शिला के बारे में आप क्या जानते हैं ?

(घ) अर्थ लिखें :- नियंत्रित, सुलभ, आग्नेय, प्रतिष्ठित ।

4. "मैंने अपनी कमी को कभी अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।"

(क) उपर्युक्त पंक्ति की वक्ता कौन है ? यहाँ उन्होंने अपनी किस कमी के बारे में कहा है ? उन कमियों पर उन्होंने किस प्रकार विजय प्राप्त की ?

Downloaded From www.icseboard.org

(ख) लेखिका किसके साथ जंगल घूमने गई थीं ? वहाँ उन्होंने क्या-क्या अनुभव किया ?

(ग) बचपन में लेखिका ने कैसी-कैसी शैतानियाँ की थीं, किन्हीं दो घटनाओं की संक्षिप्त चर्चा करें।

(घ) अर्थ लिखें :- असीम, विशिष्ट, क्षमता, प्रवेश ।

5. **मीठी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय ।**
औरन को सीतल करे, आपहूँ सीतल होय ।।
रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजै डारि ।
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तरवारि ।।
तुलसी इह संसार में, भाँति-भाँति के लोग ।
सबसों हिल-मिल चालिए, नदी-नाव संजोग ।।

(क) उपरोक्त दोहे किन कवियों के हैं ? उनका पूरा नाम लिखें तथा संक्षिप्त परिचय दें।

(ख) मीठी बोली के संबंध में कबीरदास जी के क्या विचार हैं ? स्पष्ट करें, तथा इस संबंध में किसी व्यक्तिगत उदाहरण की चर्चा करें।

(ग) इस संसार में सबके साथ किस प्रकार चलना चाहिए ? पठित दोहे के आधार पर उदाहरण सहित वर्णन करें।

(घ) सूई व तलवार के उदाहरण द्वारा कवि ने क्या स्पष्ट करने का प्रयास किया है ? विस्तार पूर्वक समझाएँ।

6. **नए गगन में नया सूर्य जो चमक रहा है**
यह विशाल भूखंड आज जो दमक रहा है
मेरी भी आभा है इसमें ।
भीनी - भीनी खुशबू वाले
रंग - बिरंगे
यह जो इतने फूल खिले हैं
कल इनको मेरे प्राणों ने नहलाया था
कल इनको मेरे सपनों ने सहलाया था ।

(क) 'नए गगन' के 'नये सूर्य' से कवि का क्या तात्पर्य है ? विशाल धरती आज किस प्रकार चमक रही हैं ?

(ख) इस धरती की शोभा, सौन्दर्य और उन्नति में कवि अपनी आभा को क्यों और कैसे देख रहे हैं ?

(ग) प्रस्तुत कविता 'मेरी भी आभा है'' का मुख्य भाव स्पष्ट करें।

(घ) अर्थ लिखें :- खलिहान, भूखंड, विशाल, आभा ।

Downloaded From www.iseboard.org